DATE 24.10.24
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-12 'पापा ने दो निबंध लिखे)

पाठ बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

संक्षेप में

क. वास्या कौन था?

उत्तर- वास्या लेखक अलेक्जेंडर रस्किन के पिता का मित्र था। वास्या का घर उनके घर के पास ही था। वे दोनों स्कूल साथ-साथ जाते और घर वापस साथ ही आते थे।

ख. वास्या लेखक के पिता की क्या मदद करता था?

उत्तर- गणित के सवाल हल करने में वास्या लेखक के पिता की मदद करता था। पूरी कक्षा में वह गणित के सवाल सबसे पहले हल कर लेता था।

विस्तार से

क. "यह कोई निबंध है!" यह बात किसने कही और क्यों?

उत्तर- यह बात लेखक के पिता ने वास्या से कही क्योंकि वास्या ने अध्यापिका द्वारा दिया गया जो निबंध लिखा था। वह बहुत छोटा था और उसमें कोई भी बात अच्छे से व्यक्त नहीं की गई थी।

ख. अध्यापिका जी कब और कैसे समझ जातीं कि दाल में कुछ काला ज़रूर है?

उत्तर- कक्षा में अध्यापिका जी ने जब सभी बच्चों की कॉपियाँ लौटाईं तो उन्होंने कहा कि अब मैं सबसे अच्छा निबंध पढ़कर सुनाऊँगी जो वास्या द्वारा

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ - 12 'पापा ने दो निबंध लिखे')

लिखा गया है। यह सुनकर वास्या का मुँह लाल हो गया। उसके बाद अध्यापिका ने कहा, "अब मैं सबसे खराब निबंध पढ़कर सुनाऊँगी" जो लेखक के पिता ने दूसरी बार अपने लिए लिखा था। उनका भी मुँह लाल हो गया। उन दोनों के चेहरों पर आए बदलाव को देखकर अध्यापिकाजी समझ जाती हैं कि दाल में कुछ काला ज़रूर है।

ग. पापा और वास्या को कैसे समझ आया कि कुछ सीखने के लिए उसे स्वयं करना होता है?

उत्तर- जब वास्या ने गृहकार्य में मिले निबंध को स्वयं न लिखकर पापा से लिखवाया। पापा ने अपने मित्र के लिए एक अच्छा-सा निबंध लिख दिया। जब दूसरी बार वह स्वयं के लिए निबंध लिखने लगे तो वे उतना अच्छा नहीं लिख सके क्योंकि वे अच्छा निबंध तो पहले ही लिख चुके थे। निबंध को पढ़ते ही अध्यापिका जी समझ गईं कि वास्या इतना अच्छा और पापा इतना बुरा निबंध कभी नहीं लिख सकते। दोनों को शिक्षा देने के उद्देश्य से उनके अच्छे और बुरे लिखे निबंध पढ़कर कक्षा में सुनाए। बिना कुछ कहे ही उन दोनों को समझा दिया कि हमें अपना कार्य स्वयं ही करना चाहिए। इस प्रकार पापा और वास्या को समझ में आ गया कि किसी कार्य को जब तक स्वयं नहीं किया जाएगा। वह कभी नहीं आएगा।

घ कक्षा की घटना के बाद पापा और वास्या ने क्या महसूस कर लिया था?

उत्तर- कक्षा की घटना के बाद पापा और वास्या ने महसूस किया कि अब वे अपना-अपना कार्य स्वयं करेंगे। वास्या ने अपने निबंध पापा की मदद के बिना लिखना शुरू कर दिया तथा पापा ने भी अपना गणित आप करना शुरू कर दिया। शुरू-शुरू में पापा से कई गलतियाँ होती थीं। वास्या के निबंध भी अच्छे न होते थे। आखिर में दोनों के काम में सुधार आया और उन्होंने महसूस किया कि अगर किसी काम को अपने-आप न किया जाएगा तब तक वह नहीं आएगा।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner